डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India,
Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले का छठा दिन

अपने प्रिय लेखक से मिलिए, चर्चा एवं रचना–पाठ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए आयोजित
बाल पत्रिकाएँ पढ़कर, पढ़ने का नज़रिया बदलता है – कमलजीत नीलों

नई दिल्ली। 16 नवंबर 2022; साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित किए गए 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले के छठवें दिन अपने प्रिय लेखक से मिलिए, चर्चा एवं रचना–पाठ तथा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। अपने प्रिय लेखक से मिलिए कार्यक्रम के अंतर्गत आज पंजाबी के प्रसिद्ध बाल साहित्यकार कमलजीत नीलों ने बच्चों के साथ बातचीत की और अपनी विभिन्न रचनाओं को बड़े ही रोचक और समधुर आवाज में गाकर प्रस्तुत किया। अपनी बातचीत में उन्होंने बताया कि मेरी रचनाओं में संवेदना भरने का श्रेय मेरे गाँव की प्रकृति है। आज भी मैं जब उदास होता हूँ तो मेरे गाँव के पास बनी नहर और वृक्षों के पास चला जाता हूँ। उन्होंने बच्चों से प्रकृति को प्यार करने और किताबों से दोस्ती करने का संदेश देते हुए कहा कि किताबें हमारी सच्ची दोस्त होती है, अतः हमें उनसे हमेशा संबंध बनाकर रखना चाहिए। एक छात्रा के सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि उनकी कविताओं और गीतों में लड़कियों के अधिकारों की बात इसलिए भी है कि हमने गाँव के परिवेश में उनके साथ भेदभाव होते देखा है, जो कि बिल्कुल उचित नहीं है।

चर्चा का सत्र जोकि 'बाल पत्रिकाओं के भविष्य' पर केंद्रित था, पर बोलते हुए हिंदी की प्रसिद्ध बाल पत्रिका 'बाल वाटिका' के संपादक भैंरूलाल गर्ग ने कहा कि हमारे समय में अनेकों बाल पत्रिकाएँ होती थी, जो धीरे–धीरे बंद हो गई हैं। यह माता–पिता का कर्त्तव्य है कि बच्चों को बाल पत्रिकाएँ खरीद कर दें, जिससे कि बच्चों में पढ़ने की प्रवृत्ति विकसित हो। पढ़ने की यही प्रवृत्ति आगे चलकर उन्हें जागरूक और संवेदनशील इंसान बनाती है। मलयाळम् के प्रसिद्ध बाल लेखक एस.आर. लाल ने मलयाळम् भाषा में बाल पत्रिकाओं की स्थिति का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता कमलजीत नीलों ने की और कहा कि बचपन को आगे तक अपने में जिंदा रखने के लिए बच्चों का बाल पत्रिकाओं और बाल साहित्य का पढ़ना बेहद जरूरी है।

'आजादी के रंग बाल कलाकारों के संग' शीर्षक से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला जो सीसीआरटी के सहयोग से आयोजित की जा रही है, में आज सत्रीया नृत्य (रूदाली बोरा), कुचीपुड़ी नृत्य (भामदी साइ श्रीशाह) और ओड़िसी नृत्य (करिश्मा साहू) द्वारा प्रस्तुत किए गए। 18 नवंबर 2022 तक जारी रहने वाला यह पुस्तक मेला पाठकों के लिए निःशुल्क है और पूर्वाह्न 11.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक खुला रहेगा।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in